

परिशिष्ट - १

श्री. ना. पेंडसे :- जीवनपट

नांव :- श्रीपाद नारायण पेंडसे

जन्म :- ५ जानेवारी १९८३, रत्नागिरी जिल्हयातील
मुढी गांवी

शिक्षण :- बी. एस्सी.

व्यवसाय :- बेस्ट अंडरटेकिंगमध्ये डेप्युटी पब्लिक रिलेशन्स
ऑफिसर निवृत्ती १९६८.

परिशिष्ट - २

श्री. ना. पेंडसे यांचे 'साहित्य'

| | | | |
|----------------|---|-----------------|------|
| खडकावरील हिरवळ | : | (व्यक्तीचित्रे) | १९४१ |
| एल्गार | : | (कादंबरी) | १९५० |
| हद्दपार | : | (कादंबरी) | १९५० |
| गारंबीचा बापू | : | (कादंबरी) | १९५२ |
| हत्या | : | (कादंबरी) | १९५४ |
| यशोदा | : | (लघु) | १९५७ |
| कलंदर | : | (लघु) | १९५९ |
| रथचक्र | : | (लघु) | १९६२ |
| लव्हाळी | : | (लघु) | १९६६ |
| ऑक्टोपस | : | (लघु) | १९७२ |

ब

नाटक

| | |
|--------------------------------|--------|
| महापूर | : १९६१ |
| राजेमास्तर | : १९६४ |
| यशोदा | : १९६५ |
| गारंबीचा बापू | : १९६५ |
| संभूसाच्या चाळीत | : १९७२ |
| चक्रव्यूह | : १९७० |
| असं झाल आणि उजाडलः | १९७२ |
| शोनार बंगला (नाटक -अप्रकाशित) | १९७२ |

क

कथासंग्रह

जुम्मन : १९६६

बेस्ट उपक्रमाची कथा : १९७२

प्रायश्चित्त : (नॅथॅनिअल हॅथॉर्नच्या 'स्कार्लेट'
कांदबरीचे भाषांतर १९६९)

ड

अन्य भाषांतिल अनुवाद

- गुजराथी - हद्दपार, गारंबीचा बापू, हत्या, कलंदर, रथचक्र
हिंदी - जुम्मन, रामशरणची गोष्ट
इंग्रजी - गारंबीचा बापू (Wild Bapoo of Garmbi)
भाषांतर - इएन रेसाईड :
हद्दपार - (Sky is the limit) अप्रकाशित :
भाषांतर - ज्ञानेश्वर नाडकर्णी,

परिशिष्ट : ३

श्री. ना. पेंडसे यांचे मान सन्मान

- परितोषिके -

| | |
|------------------|--|
| एल्गार | - नॅशनल लायब्ररी (नागपूर) पारितोषिक |
| हद्दपार | - महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार |
| हत्या | - महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार |
| कलंदर | - महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार |
| संभूसाच्या चाळीत | - महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार |
| चक्रव्यूह | - महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार |
| संभूसाच्या चाळीत | - साहित्य अकादमी पारितोषिक |

शिष्यवृत्ती

रॉकेट्मेलर फाउंडेशन : ट्रॅव्हलिंग मेलोशिप १९५५

संदर्भ सूची :-

- १) 'आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास', भाग-एक, विनोद प्रकाशन, आवृत्ती पहिली
- २) 'गारंबीचा बापू' -१९५२, प्रकाशन विजयनगर पुणे ,आवृत्ती-प्रथम
- ३) 'गारंबीची राधा' -१९९३, मौज प्रकाशन ४०३, आवृत्ती -पहिली जुलै १९९३
- ४) 'ग्रामीण साहित्य: एक चिंतन', मेहता पब्लिशिंग हाऊस ,पुणे ३०
- ५) 'ग्रामीण साहित्य :स्वरूप आणि शोध', मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे ३०
- ६) 'तिस-य पिढीची ग्रामीण कथा', आनंद यादव -१९८१
- ७) 'धार आणि काठ', नरहर कुरूंदकर
- ८) प्रदक्षिणा, रा. श्री.जोग कॅन्टीनन्टल प्रकाशन, पुणे.
- ९) 'मराठी कादंबरीचे पहिले शतक', -कुसुमावती देशपांडे. मराठी साहित्य संघ, मुंबई -२० जुलै १९५३
- १०) मराठी कादंबरी ७ कुसुमावती देशपांडे, मराठी साहित्य संघ, मुंबई, प्रथमावृत्ती -२० जुलै १९५३
- ११) 'मराठी वाङ्मयाचा अभिनव इतिहास', ग.ना. जोगळेकर, विसाव्या शतकारंभीचा ग्रामीण महाराष्ट्र
- १२) 'मराठी कादंबरीचा इतिहास', मेहता पब्लिशिंग हाऊस पुणे, आवृत्ती प्रथम.
- १३) 'मराठी ग्रामीण आणि नागार', नागनाथ कोतापल्ले.
- १५) 'मराठी कादंबरी: तंत्र आणि विकास', बापट गोडबोले ,व्हीनस प्रकाशन पुणे.
- १६) 'मराठी वाङ्मयाचा इतिहास', रा.श्री. जोग, खंड दुसरा
- १७) 'मराठी वाङ्मयाचा इतिहास', रा. श्री.जोग, महाराष्ट्र साहित्य परिषद प्रकाशन, आवृत्ती दुसरी -१९७३
- १८) 'महाराष्ट्रातील वाङ्मयीन प्रवाह', ल.ग.जोग
- १९) 'लेखक आणि माणूस! एक मित्र,! श्री.ना.पेंडसे मौज प्रकाशन: २२८
- २०) 'विसाव्या शतकारंभीचा ग्रामीण महाराष्ट्र', गं.ना.जोगळेकर.

891.463

NAL



T15384